III

Date __ /__ /____

भूगोल का अन्य विषयो से सम्बन्ध स्पष्ट करते हुए यह सिद्ध किजिए

= भूगोल का अन्य विषयो से सम्बन्ध- भूगोल का अध्ययन क्षेत्र बहुत व्यापक है अपनी व्यापकता के कारण ही भूगोल का सम्बन्ध अनेक भौतिक और सामाजिक विज्ञानो से है तथा इसके इन सम्बधो की जटिलता के कारण भूगोल के अध्ययन मे कठिनाई आती है।

(1) भूगोल तथा जल विज्ञान — प्राकृतिक संसाधन के रूप मे जल का अद्वितीय महत्व है। यह मानव का जीवन है। अतः जल विज्ञान मे नदी समुद्र आदि के जल के गुणो तथा उपयोग का वर्णन ये सभी मानव को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते है।

भूगोल तथा रसायन शास्त्र — रसायन शास्त्र मे मिट्टी खनिज आदि का रसायनिक विश्लेशण किया जाता है। इन विश्लेषण के आधार पर ही कृषि उपजो तथा खनिज उपयोग मे बहुत सहायता मिलती है

भूगोल तथा वनस्पति विज्ञान - वनस्पति विज्ञान मे पेड़ पौधे की उत्पति तथा विकास का अध्ययन किया जाता है। जबकि भूगोल मे वनो मे पाये जाने वाले पेड़-पौधो का आर्थिक समृद्धि के रूप मे वर्णन होता है।

Date __/__/__

भूगोल और जन्तु विज्ञान – जन्तु विज्ञान मे जीवों पशुओं पक्षियो आदि की उत्पत्ति तथा उनके स्वभाव का उल्लेख होता है। जबकि भूगोल मे जीव जन्तुओं पशुओं आदि का उलेख दूध - मांस खाल ऊन बाल चमड़ा आदि के लिए एक संसाधन के रूप मे किया जाता है। भूगोल और जन्तु विज्ञान पर्याप्त सीमा तक परस्पर जुड़े है।

भूगोल तथा भू गर्भ विज्ञान – भू विज्ञान मे चट्टानो की उत्पत्ति उनमे पाये जाने वाले खनिजों व संयोजक तत्वो का विश्लेषण चट्टानों का वितरण व पृथ्वी की आन्तरिक संरचना खनिजों का विश्लेषण उनकी प्रकृति आदि इस विज्ञान मे उन शक्तियो का भी अध्ययन होता है। जो पृथ्वी की आन्तरिक भागो और धरातलीय स्वरूपो मे परिवर्तन लाते है। इन तत्वो का मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है

भूगोल व जलवायु विज्ञान – जलवायु और ऋतुओं व मौसम का मानव जीवन और स्थल रूपो पर व्यापक प्रभाव पड़ता है फसलो का वितरण तथा मनुष्यो का भोजन वस्त्र और मकान सम्बन्धी आवश्यकताएँ जलवायु तथा मौसम के अनुरूप होती है।

भूगोल तथा ज्योतिषशास्त्र – ज्योतिषशास्त्र से सौर मण्डल चन्द्रमा का घटना बढ़ना विभिन्न ग्रहो के उतार चढ़ाव आदि का वर्णन किया जाता है। जबकि भूगोल मे इनका प्रभाव मनुष्य जीवन की क्रियाओ पर दर्शाया जाता है।

Date __/__/____

भूगोल तथा गणित — गणित मे सभी तथ्यो को अंको मे लिखा जाता है। जबकि भूगोल मे अंको का प्रयोग तालिकाओं एवं तथ्यो मे विश्लेषण मे किया जाता है। इन अंको के माध्यम से निष्कर्षो की व्याख्या की जाती है।

भूगोल तथा इतिहास — प्रत्येक ऐतिहासिक विकास या घटना जो पृथ्वी के धरातल पर होती है। इस प्रकार परिवर्तन शील भूगोल का ही नाम इतिहास है।

विडमोलिन्स के अनुसार — मनुष्य तथा पृथ्वी की धरातल के मध्य अभिन्न सम्बन्ध है। जिसके कारण विश्व इतिहास मे पुनरावृति होती है। जैसे प्रथम तथा द्वितिय विश्व युद्ध या विश्व के विभिन्न भागो मे हो रहे जातीय युद्ध

भूगोल तथा राजनीतिशास्त्र — राज्य राजनीति शास्त्र का प्रमुख अध्ययन क्षेत्र है, और भौगोलिक अध्ययन मे भी इकाई क्षेत्र के रूप मे प्रदेश मे आता है। किसी क्षेत्र की सरकार उसकी आवश्यकता के लिए बडे पैमाने पर उद्योगों के विकास के लिए खनिज तथा कृषि उपजो का प्रयोग करती है।

भूगोल तथा अर्थशास्त्र — अर्थशास्त्र और भूगोल दोनो मे आर्थिक संसाधनो का अध्ययन किया जाता है भौतिक और सांस्कृतिक वतावरण से प्राप्त थे आर्थिक संसाधन जैसे — कृषि उद्योग धन्धे व्यापारिक पशुपालन परिवहन आदि

Date ___/___/___

एक जल प्रपात तब तक आर्थिक संसाधन नही होती जब तक उससे जल विद्युत प्राप्त कर उसका घरेलू और औद्योगिक उपयोग नही होता है।

भूगोल तथा समाज शास्त्र - समाज शास्त्र मे उन सभी कारणो व शक्तियों का अध्ययन होता है। जो एक विशिष्ट समाज अथवा समुदाय के संगठन व व्यवहार पर प्रभाव डालते है। भूगोल के केवल भौगोलिक वातावरण और मानवीय क्रियाओ के द्वारा एक प्रदेश के निवासियों व उसके समाज के समझने की कोशिश कि जाती है।

भूगोल तथा मानवशास्त्र - मानवशास्त्र मानव प्रजाति के प्रादुर्भाव तथा उसकी संस्कृति का सभ्यता का विशद् अध्ययन है भौतिक मानव शास्त्र मे प्रजातियों की शारीरिक विषमताओ और सांस्कृतिक मानवशास्त्र मे उनके आचार कला विज्ञान भोजन वस्त्र रहन सहन आस्था औषधि विधियाँ व समाजिक संगठन कि विवेचना की जाती है। अपने प्राकृतिक वातावरण मे ये किस तरह अनुकूलित और समायोजित है।

भूगोल और सैन्य विज्ञान - देश की सुरक्षा सैनिक गतिविधियाँ और युद्ध अति वैज्ञानिक होते जा रहे है, उन्नत हथियार लड़ाकू यान अणु बम तथा मिसाइल वैज्ञानिक अविष्कारो की देन है वरन् भूमि की सुरक्षा के साधन भी भूमि का सैनिक कार्यो के लिए उपयोग भी भूगोल के अध्ययन का अंग है।

Page No.

Saathi

Date ___/___/___

भूगोल मे हम्बोल्ट अथवा रीटर के योगदान की व्याख्या किजिए

अलेक्जेण्डर वॉन हम्बोल्ट (1769 से 1858 A.D)

अलेक्जेण्डर का जन्म 1769 ई० मे जर्मनी के बर्लिन नामक नगर मे हुआ था। उन्होने लैटिन जर्मन फ्रेन्च एवं गणित विषयो का अध्ययन किया। इसके बाद जर्मनी के गोटिन्जन एवं फ्रैंकफर्ट विश्वविद्यालयो मे अध्ययन होते चले गये वहाँ वनस्पतिशास्त्र एवं भूगर्भशास्त्र विषयो का अध्ययन किया। 1792 ई० मे परसियन खान विभाग मे निरीक्षक बन गया इस समय भूगर्भ विज्ञान मे अधिक रुचि ली। इस अध्ययन के लिए वे आल्पस बाल्वेरिया इटली आस्ट्रिया एवं स्विटजरलैण्ड आदि

यात्राएँ — यात्राओं मे बचपन से ही रुची रखने की कारण उन्होने प्राणिशास्त्र विशेषज्ञ आइमा बोनलैण्ड के साथ यात्रा करने का कार्यक्रम बनाया। उनके साथ मैक्सिक पहुचकर उन्होने विभिन्न ऊचाइयों के अनुसार बदलते हुऐ तापमान का अध्ययन किया उन्होने पाँच वर्षो तक अमेरिका के विभिन्न भागो क्यूबा एवं मैक्सिको की यात्राएँ की 1801 मे पुनः एण्डीज पर्वतो के अध्ययन हेतु 1803 ई० मे वह दक्षिणी अमेरिका के पश्चिमी तट के सहारे होता है।

1830 ई० मे रूस से लौटकर बर्लिन आए वहां पर उन्होने अपना शेष जीवन व्यतीत किया

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date __/__/__

~~भूगोल भौगोलिक की~~

भूगोल की परिभाषा एवं उद्देश्य –

हम्बोल्ट के अनुसार भूगोल में उन विभिन्न प्रकारों की अन्तर्सम्बन्धित घटनाओं का अध्ययन किया जाता है जो भूमि की सतह पर विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ या अलग-अलग पायी जाती है। उनके अनुसार भूगोल का मुख्य उद्देश्य भूतल पर भौतिक एवं मानवीय सम्बन्धों का अध्ययन करना है।

भौतिक भूगोल – हम्बोल्ट ने अपनी पुस्तक कॉसमास में विभिन्न क्षेत्रों में उन विभिन्न प्रकारों को क्षेत्र के उच्चावच चट्टानों मिट्टियां जलवायु वनस्पति विभिन्न ऊँचाइयों पर बदलते प्राकृतिक सूक्ष्म सम्बन्धों को प्रदर्शित किया। उन्होंने भूकम्प और ज्वालामुखी का वर्णन भी प्रस्तुत किया। उन्होंने वायुदाब का ऊँचाई से सम्बन्ध बताया तथा भूगर्भ के तापमान के बारे में भी अध्ययन किया।

पादप भूगोल – हम्बोल्ट ने वनस्पति भूगोल की शाखा की स्थापना की जिसका आधार दक्षिणी अमेरिका की उनकी यात्रा से प्राप्त वनस्पतियों से सम्बन्धित उन्होंने पौधों का अलग अलग तथा उनके

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

Date / /

साहचर्य मे अध्ययन किया

भूगोल मे मानव का स्थान - हम्बोलर ने मानव प्रजाति की एकता पर बल दिया उन्होने मानव भूगोल के लिए आधार तैयार किया श्रेणी अमरीकी की प्रजातियों पर कार्य किया तथा प्रकृति के प्रभाव का भी वर्णन किया है

वातावरण निश्चयवाद - हम्बोल्ट ने मानव एवं प्रकृति के सम्बधो का अध्ययन किया तथा प्रकृति को अधिक शक्तिशाली बताया। उन्होने मानवीय क्रिया कलापो पर प्राकृतिक तथ्यो के प्रभावो को समझाने का प्रयास किया उनका विचार था कि मानव जातियों के विकास मे प्रकृति की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है

कार्ल रिटर (1779-1859 ई॰)

हम्बोल्ट की तरह ही कार्ल रिटर को भी आधुनिक वैज्ञानिक युग का संस्थापक कहा जाता है। उनका जन्म 1779 ई॰ मे जर्मनी के शेपफेन्थल के समीप हुआ था। 1796 ई॰ मे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जर्मनी के हेले विश्वविद्यालय मे प्रवेश लिया जहाँ पर लगातार दो वर्षो तक इतिहास भूगोल गणित एवं दर्शन शास्त्र का अध्ययन किया 1816 तथा भूगोल इतिहास मृदा विज्ञान भौतिक विज्ञान रसायन विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान आदि। उन्होने 1819 ई॰ मे बर्लिन विश्वविद्यालय मे इतिहास भूगोल के

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

प्राध्यापक पद पर नियुक्त किया गया 1820 ई० मे वार्लिन विश्वविद्यालय मे भूगोल के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष पर नियुक्त किया गया है।

रिटर की भौगोलिक विचारधारा– रिटर ने भूतल पर पाये जाने वालेविभि तत्वो का वैज्ञानिक विधी से अध्ययन करने पर बल दिया

पार्थिव एकता की विचारधारा– रिटर के मुल उद्देश्य किसी एक विशिष्ट तथ्य से सम्पुर्ण का अध्ययन करना रहा है। किसी क्षेत्र मे जैविक एवं अजैविक तत्वो को एक अधार भूत एकता मिलती है। उनके अनुसार पृथ्वी एवं उसके निवासियों मे घनिष्ठ सम्बन्ध है।

शुद्ध भूगोल की विचारधारा– रिटर के अनुसार किसी प्रदेश के भौतिक लक्षणों प्राकृतिक संसाधनो एव ऐतिहासिक तत्वो के अन्त: सम्बन्धो को समझने के लिए वहा भौगोलिक व्यक्तित्व को समझना आवश्यक है।

प्रादेशिक भूगोल– रिटर को प्रदेशो की अंगवादी विचार धारा मे भी विश्वास था उनके शब्दो मे प्रत्येक प्राकृतिक रूप से घिरा क्षेत्र जलवायु उत्पादन संस्कृति जनसंख्या तथा इतिहास की दृष्टि से एक इकाई होती है।

ईश्वर उद्देश्यवादी विचारधारा– रिटर के अनुसार ब्रह्माण्ड की रचना करने वाला ईश्वर है। ईश्वर ने पृथ्वी की रचना उन माडल के रूप मे की है जिसके द्वारा मानव ज्ञान सीखता है। रिटर का अध्ययन तथ्यो पर आधारित है

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

24/09/2020